राजधानी जयपुर में 15 अगस्त को आधा दर्जन से अधिक जगहों पर तिरंगा यात्रायें व रैलियां निकाली गईं। सीकर रोड ढेहर के बालाजी मंदिर से 3100 फीट लंबे तिरंगे के साथ एक किलोमीटर लम्बी विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। महंत हरिशंकरदास वेदांती के सान्निध्य में तिरंगा रैली सियाराम बाबा की बगीची से प्रारम्भ होकर पथ नंबर सात, भौंमियां जी का मंदिर, प्रतापनगर चौराहा सहित रोड नंबर दो होते हुए सन एंड मून परिसर पहुंची। इस अवसर पर ढेहर का बालाजी व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रवि जिंदल ने कहा कि, इस तिरंगा यात्रा ने जयपुर में एक नया इतिहास रच दिया है। तिरंगा यात्रा के दौरान कई जगहों पर जे.सी.बी पर चढ़कर पुष्प वर्षा भी की गई।

ई.डी. की रडार पर सचिवालय के बड़े अधिकारी

आई.टी. सचिव आनंदी को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया ई.डी. ने

- योजना भवन में मिले 2.31 करोड़ रू. और एक किलो सोने के मामले के आरोपी वेद प्रकाश ने पूछताछ के दौरान ई.डी. के समक्ष कई खुलासे किए। इन्हीं जानकारियों के आधार पर ई.डी. ने नोटिस जारी किया है।
- ई.डी. की एक टीम ने सचिवालय जाकर अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा से भी मिलने का प्रयास किया।
- बताया जा रहा है कि, ई.डी. ने 9 अगस्त को वेद प्रकाश को गिरफ्तार कर चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी।
- कई अधिकारियों को 15 अगस्त को ही ई.डी. के सर्च व पूछताछ नोटिस की जानकारी मिल गई थी, इसलिए कई अधिकारी 16 अगस्त को ऑफिस नहीं आए, तो नोटिस उनके घर भिजवा दिए गए।

जयपुर, 16 अगस्त (का.प्र.)। मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले आई..टी. विभाग के अधिकारी की अलमारी से मिले सवा दो करोड़ रुपए तथा एक किलो सोने के मामले में अब ई.डी. ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है। पिछले दिनों ही इस मामले में ए.सी.बी. की गिरफ्त में आए अधिकारी वेद प्रकाश को ई.डी. ने अपनी गिरफ्त में लिया था और उसके बाद इस मामले में अब एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमैंट की सचिव आनंदी के नाम का नोटिस आई.टी. आयुक्त इंद्रजीत को दिया है। लेटर देकर आनंदी को ई.डी. ऑफिस बुलाया गया है।

वेद प्रकाश को अपनी कस्टडी में लेने के बाद ई.डी. के तीन अधिकारियों का दल बुधवार को योजना भवन पहुंचा था। ई.डी. टीम को देखते ही विभाग में हलचल मच गई। योजना भवन पहुंचकर ई.डी. अधिकारियों ने आई.टी. सचिव के नाम का नोटिस सर्व कर दिया। इस दौरान ई.डी. ने योजना भवन के कमरा नम्बर 207 में आई.टी. आयुक्त इंद्रजीत से बातचीत की। इससे पहले ई.डी. की एक टीम ने सचिवालय पहुंचकर अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा और आई.टी. सचिव आनंदी से मिलने का प्रयास किया। ई.डी. की टीम जब पहुंची तब दोनों ही अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं थे।अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, चार दिन के ई.डी. रिमांड के दौरान आई.टी. विभाग के निलंबित जॉइन्ट डायरेक्टर वेद प्रकाश यादव ने पैसे और गोल्ड को लेकर कई जानकारियाँ अधिकारियों को उपलब्ध कराई हैं। इन जानकारियों में गोल्ड कहां से आया, किसने दिया, क्यों दिया, इस बारे में ई.डी. को कई सबूत मिले हैं। ई.डी. को यह भी जानकारी मिली है कि, जिम्मेदार लोग कहां इसका उपयोग करने वाले थे।

कहा जा रहा है कि, वेद प्रकाश की गिरफ्तारी के बाद, 15 अगस्त को ही कई अधिकारियों को ई.डी. के सर्च और नोटिस की जानकारी मिल गई थी। इसके चलते 16 अगस्त को कई अधिकारी ऑफिस नहीं पहुंचे। ऐसे में ई.डी. ने नोटिस उनके घर पर भी भिजवा दिए हैं।

ज्ञातव्य है कि, योजना भवन में एक किलो सोना और 2 करोड़ 30 लाख रुपए वेद प्रकाश की आलमारी में मिलने के मामले में जांच पहले एन्टी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) के पास थी। ए.सी.बी. ने वेद प्रकाश से कुछ दिनों तक पूछताछ की थी। इस पूछताछ में ए.सी.बी. को वेद प्रकाश ने कुछ नहीं बताया था। इसके बाद ए.सी.बी. ने उसे जेल भेज दिया था।

पिछले दिनों जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आने पर ई.डी. ने वेद प्रकाश को 9 अगस्त को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। इसके बाद ई.डी. ने वेद प्रकाश का चार दिन का रिमांड लिया था। रविवार को रिमांड खत्म होने पर वेद प्रकाश को दोबारा कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया था।

जानकारी के अनुसार वेद प्रकाश से पूछताछ में ई.डी. को कई अहम सबूत हाथ लगे हैं। वेद प्रकाश से मिली इन्ही अहम जानकारियों के बाद अब ई.डी. के रडार पर राजस्थान सरकार के आई.टी. डिपार्टमेंट से जुड़े कई जिम्मेदार अधिकारी भी हैं।

5 मार्च 1966 को मिज़ोरम में राजेश पालयट ने बमबारी की थी, भाजपा आई.टी. सैल का दावा

सचिन पायलट का जवाब, भाजपा का दावा झूठा, मेरे पिता 29 अक्टूबर 1966 को एयरफोर्स में कमीशन हुए थे

- सचिन पायलट ने अपने जवाब के साथ, राजेश पायलट का वायु सेना में अफसर बनने वाला लैटर ट्वीट किया।
- भाजपा आई.टी. सैल की टिप्पणी से गुस्साए पायलट समर्थकों ने अमित मालवीय से माफी मांगने को कहा, दिन भर ''एक्स'' पर ''अमित मालवीय माफी मांगो'' ट्रैन्ड करता रहा।
- ज्ञातव्य है कि, अमित मालवीय ने एक्स पर ट्वीट किया था कि, 5 मार्च 1966 को राजेश पायलट व सुरेश कलमाड़ी ने मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल पर बमबारी की। अपने ही देश के लोगों पर बमबारी के एवज़ में इंदिरा गांधी ने दोनों को सांसद बनाया था।

जयपुर, 16 अगस्त (का.प्र.)। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते 5 मार्च 1966 को मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल पर की गई एयरफोर्स की बमबारी के मुद्दे पर उठा विवाद अब राजस्थान तक पहुंच गया है। भाजपा आई.टी. सैल के प्रमुख अमित मालवीय ने आइज़ोल पर 5 मार्च 1966 को की गई बमबारी में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट और कांग्रेस नेता सुरेश कल्माड़ी के शामिल होने का दावा किया।

साथ ही यह भी कहा कि, इसी वजह से उन्हें इंदिरा गांधी ने सांसद बनाया और फिर उन्हें मंत्री पद भी मिला।

अमित मालवीय का यह ट्वीट सामने आते ही राजेश पायलट समर्थक गुस्साए नजर आए और ''एक्स'' (पूर्व ट्विटर) पर चलाया गया उनका अभियान, ''अमित मालवीय माफी मांगो'', पूरे समय तक ट्रैंड करता रहा।

इधर, अमित मालवीय का ट्वीट सामने आते ही राजेश पायलट के पुत्र और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अमित मालवीय को जवाब देते हुए राजेश पायलट के वायुसेना में अफसर बनने की तारीख वाला लेटर ट्वीट किया। इसके बाद राजस्थान में पायलट समर्थकों ने अब ''एक्स'' पर मालवीय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

इस विवाद की शुरुआत उस समय हुई ,जब अमित मालवीय ने ट्वीट किया, जिसका सचिन पायलट ने दो दिन बाद जवाब दिया। अमित मालवीय ने अपने ट्वीट में आइज़ोल बमबारी का जिक्र करते हुए लिखा, ''राजेश पायलट और सुरेश कलमाडी भारतीय वायुसेना के उन विमानों को उड़ा रहे थे जिन्होंने 5 मार्च 1966 को मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल पर बम गिराये। बाद में दोनों कांग्रेस के टिकट पर सांसद और सरकार में मंत्री भी बने। साफ है कि, नार्थ ईस्ट में अपने ही लोगों पर हवाई हमला करने वालों को इंदिरा गांधी ने बतौर इनाम राजनीति में जगह दी, सम्मान दिया।

इस ट्वीट का जवाब देते हुए सचिन पायलट ने लिखा कि, ''एयरफोर्स पायलट के तौर पर मेरे स्वर्गीय पिता ने 1971 के भारत पाक युद्ध में पूर्वी पाकिस्तान में बमबारी की थी, 1966 में मिजोरम में नहीं। स्व. राजेश पायलटजी दिनांक 29 अक्टूबर, 1966 को भारतीय वायु सेना में कमीशन हुए थे। यह कहना कि, उन्होंने 5 मार्च 1966 में मिज़ोरम में बमबारी की थी, काल्पनिक है, तथ्यहीन है और पूर्णतया भ्रामक है। हां, 80 के दशक में एक राजनेता के रूप में मिज़ोरम में युद्ध विराम करवाने और स्थाई शांति संधि स्थापित करवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका ज़रूर निभाई थी।'' सचिन पायलट द्वारा अमित मालवीय को जवाब देने के बाद विवाद और बढ़ गया।

सचिन पायलट के जवाब के तुरंत बाद पायलट समर्थक सक्रिय हो गए और सोशल मीडिया पर ''अमित मालवीय माफी मांगो'' का अभियान चला दिया,जो लगातार ट्रेंड करता रहा। वैसे तो अमित मालवीय के ट्वीट में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल चयन पर भी सवाल उठाए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस की ओर से अमित मालवीय के ट्वीट को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं देखी गई।

आप से गठबंधन के मसले पर राहुल गांधी और खड़गे ने की 4 घंटे गहन चर्चा

बैठक के बाद कांग्रेस की अलका लांबा ने कहा कि यह बैठक, दिल्ली में कांग्रेस को कैसे मजबूत करें, इस विषय पर केन्द्रित थी

- दिल्ली कांग्रेस का एक वर्ग अभी भी इस बात से खफा है कि, कैसे अचानक आम आदमी पार्टी सीन में आई और 2015 के दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का सफाया कर दिया।

नई दिल्ली, 16 अगस्त। लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा के लिए कांग्रेस पार्टी ने आज दिल्ली में एक अहम बैठक की। पार्टी ने गठबंधन के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। हालांकि कांग्रेस और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर काफी अटकलें हैं। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लेने के बाद कहा, ''बैठक चार घंटे तक चली। 40 नेताओं ने भाग लिया और अपनी राय दी। बातचीत दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत करने पर केंद्रित थी।''

दिल्ली कांग्रेस का एक वर्ग अभी भी इस बात से खफा है कि कैसे आप अचानक सीन में आई और 2015 के दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का सफाया कर दिया। आप ने 70 में से 67 सीटें जीतीं और भाजपा ने 3 सीटें जीतीं। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी, जिससे पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में दिल्ली में पार्टी का 15 साल का शासन समाप्त हो गया था।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वायनाड सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली इकाई के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिससे इससे संबंधित कई प्रमुख नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। यह बैठक जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम को कानून के रूप में अधिसूचित किए जाने के मद्देनजर हुई है।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि बैठक ने पार्टी की दिल्ली इकाई में कई प्रमुख नियुक्तियों का रास्ता खोल दिया है। दिल्ली कांग्रेस में कई नियुक्तियां होनी हैं जो लंबे समय से लंबित पड़ी हैं और पिछले कुछ दिनों में इसी तरह की बैठकें हुई थीं। खरगे ने इस मुलाकात को सलाह-मशविरा बताया। बैठक में अजय माकन, हारून यूसुफ, कृष्णा तीरथ और संदीप दीक्षित समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

कांग्रेस ने जून की शुरुआत में गुजरात से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक दीपक बाबरिया को दिल्ली और हरियाणा का प्रभारी नियुक्त किया था। बाबरिया ने तब से राष्ट्रीय राजधानी के सात लोकसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं, और पार्टी प्रतिनिधियों से प्रतिक्रिया और सुझाव एकत्र किए हैं।

एक अन्य नेता ने कहा, लोकसभा चुनावों के साथ-साथ दिल्ली में आप के साथ सीट-बंटवारे समझौते की संभावना के संबंध में, राज्य इकाई के नेता का चुनाव महत्वपूर्ण है क्योंकि वे पार्टी को आगे ले जाएंगे, और अपने कैडर को नियंत्रण में रखेंगे। उसके एक साल बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव भी होने हैं।''

आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगले साल राष्ट्रीय चुनाव के लिए सीट-बंटवारे की व्यवस्था के बारे में फिलहाल कुछ भी पता नहीं है।

शरद पवार से मोदी मंत्रिमण्डल में स्थान दिलाने की पेशकश?

मुंबई, 16 अगस्त (वार्ता)। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार इतने प्रभावशाली नहीं हैं कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दे सकें।

राउत वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के हवाले से उन मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि अजीत पवार ने शरद पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने की पेशकश की थी।

राउत ने मीडिया से कहा कि शरद पवार ने अजित पवार को बनाया है और राजनीतिक जगत में उनका कद ऊंचा है।

राउत ने कहा, अजित पवार इतने बड़े नेता नहीं हैं कि वह शरद पवार को ऑफर दे सकें।

अजित पवार को शरद पवार साहब ने बनाया, शरद पवार को अजित पवार ने नहीं बनाया। उनका (शरद पवार) कद ऊंचा है।

गौरतलब है कि चव्हाण ने पहले दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शरद पवार को केंद्रीय कृषि मंत्रालय की पेशकश की थी।

चव्हाण ने बताया कि पुणे में व्यवसायी अतुल चोरडिया के स्वामित्व वाले बंगले पर राकांपा सुप्रीमो और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच एक बैठक हुई। यह बैठक कथित तौर पर भाजपा के प्रस्ताव के इर्द-गिर्द घूमती रही।

कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर में तोड़-फोड़ पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

- गौरतलब है कि, रेलवे बोर्ड मथुरा-जन्मभूमि और वृंदावन धाम को जोड़ने के लिए नई रेलवे लाइन स्थापित करने जा रहा है, इसी वजह से वहां स्वीकृत रेलवे ट्रैक के लिए तोड़फोड़ की कार्यवाही शुरु की गई है।
- सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे अधिकारियों को यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश देते हुए कहा कि, इस मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद की जाएगी।
- याचिका में दावा किया गया है कि, मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण हटाने के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा तोड़फोड़ अभियान से लगभग 3000 लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ये लोग 1800 के दशक से इन स्थानों पर रह रहे हैं।

नयी दिल्ली, 16 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे तोड़फोड़ अभियान पर बुधवार को 10 दिनों तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश के साथ ही केंद्र सरकार और रेलवे को नोटिस भी जारी किया।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एस.वी. एन. भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता याकूब शाह और अन्य के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

पीठ ने रेलवे अधिकारियों को यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश देते हुए कहा कि इस मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद की जाएगी।

शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी सी सेन ने अदालत के समक्ष कहा कि यह कृष्ण जन्मभूमि के पास तोड़फोड़ का मामला है। इसके पहले कई घरों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। उन्होंने अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए आरोप लगाया कि अधिकारियों ने यह कार्रवाई उस दिन की जिस दिन उत्तर प्रदेश की अदालतें बंद थीं।

याचिका में दावा किया गया कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण हटाने के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा तोड़फोड़ अभियान से लगभग 3000 लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ये लोग 1800 के दशक से उन स्थानों पर रह रहे हैं। शाह और अन्य ने दावा किया कि मथुरा सिविल अदालत के समक्ष अपील लंबित रहने के दौरान तोड़फोड़ की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध, मनमानी और संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि, रेलवे मथुरा और वृन्दावन के बीच रेल संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए मौजूदा मीटर गेज रेलवे ट्रैक को ब्रॉड-गेज ट्रैक में बदलना चाहती है। इसके लिए उसने मंदिर परिसर के पीछे अतिक्रमण हटाने का फैसला किया। अतिक्रमण की जद में बड़ी संख्या में आवासीय मकान हैं।

गौरतलब है कि, कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर के संबंध में एक और मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है जिसमें मांग की गई है कि, कृष्ण जन्मभूमि में स्थापित मस्जिद का भी ज्ञानवापी मस्जिद की तरह सर्वे कराया जाये। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, जन्मभूमि मंदिर परिसर में स्थापित यह मस्जिद गैरकानूनी एवं अवैध तरीके से स्थापित है। यह भूमि प्राचीन समय से ही केवल मंदिर को समर्पित है यहां मस्जिद जैसी कोई भी संरचना प्राचीन रूप से स्थापित हो ही नहीं सकती।

दो प्रमुख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की क्रियान्विति की शुरुआत तो हो ही सकती है। सूत्रों ने आगे कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में छोटी पार्टियों को सीटों का कोटा आवंटित किया जा सकता है, किन्तु भाजपा के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस का चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत उपयोगी होगी। विधिक समाचार वैबसाइट बार एंड बैंच ने कहा कि यह मार्गदर्शिका जजों का अनुचित लैंगिक भाषा काम में लने से रोकने का साधन उपलब्ध करवाएगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने हैंडबुक जारी करते हुए बताया कि इसका उन लैंगिक रूढ़िबद्ध शब्दो का प्रयोग रोकने में क्या उपयोग है जो विभिन्न फैसलों में नज़र आते हैं। यह हैंडबुक जजों के ऐसे रूढ़िबद्ध शाब्द विधिक भाषा एवं चर्चा में आने से रोकने के लिए जानकारी और अंतर्दृष्टि उपलब्ध करवाएगी।

हैंडबुक में ''ड्यूटी फुल वाइफ'' (आज्ञाकारी पत्नी) की जगह सिर्फ पत्नी शब्द के इस्तेमाल का निर्देश दिया गया है। हैंडबुक में महिलाओं से जुड़ी कुछ आम धारणाओं को भी खारिज किया गया है जैस महिलाएं बेहद भावुक होती है, फैसले नहीं कर पाती, अविवाहित महिला फैसले करने में असमर्थ होती है और सभी महिलाओं को बच्चे चाहिए। छेड़छाड़ और वैश्या जैसे शब्दों पर भी रोक लगाई गई है।

जसुप्रीम कोर्ट की हैंडबुक को निस्संदेह ही भारतीय समाज पर प्रभाव पड़ेगा जो ना केवल महिलाओं के प्रति पक्षपाती है, बल्कि महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार भी नहीं करता है।

'सी.ए.जी. की रिपोर्ट में मोदी सरकार के घोटालों का पर्दाफाश हुआ'

नयी दिल्ली, 16 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि कंट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) की रिपोर्ट में जिन महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं में घोटालों का पर्दाफाश हुआ है उनसे देश को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और परियोजनाओं की साख पर भी सवाल उठे हैं इसलिए प्रधानमंत्री मोदी को इस बारे में जवाब देना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत माला परियोजना के तहत करीब 70-75 हजार किमी लम्बी सड़कों का निर्माण हुआ है। इसके लिए निधि को मंजूरी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल समिति ने दी। इसके बावजूद एक किमी सड़क के निर्माण में दोगुना राशि खर्च हुई और करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा हुआ है। उनका कहना था कि द्वारका एक्सप्रेस-वे में 2 किमी सड़क बनाने में जितने रुपए खर्च हुए हैं उतने पैसे में मंगलयान मंगल ग्रह पर पहुंचा जा सकता है।

दक्षिण भारत में आंध्र में ही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के खिलाफ बने नए गठबंधन ''इंडिया'' के सदस्य हैं।

तमिलनाडू में सत्तारूढ़ द्रमुक (डी.एम.के.) और कांग्रेस गठबंधन की स्थिति काफी अच्छी है क्योंकि द्रमुक यहां पर आक्रामक भाजपा को रोकने के लिए भावनात्मक मुद्दे उठा रही है और कल पिता-पुत्र की आत्महत्या ने एक बार फिर नीट के मुद्दे को उठा दिया है। पुत्र ने नीट से पास नहीं होने के कारण आत्महत्या कर ली तो पिता ने बेटे के दुख में आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री स्टालिन फिर से नीट प्रणाली वापस लेने की मांग करने लगे हैं।

तमिलनाडू के मुख्यमंत्री केन्द्र द्वारा हिंदी थोपे जाने के प्रयासों का विरोध करने का भी कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। और इस बार उन्होंने क्रिमिनल कानूनों की जगह लेने वाले नए कानूनों के नामों पर कड़ी आपत्ति की है। ये दोनों ही तमिलनाडू के लिए बेहद भावनात्मक मुद्दे हैं और द्रमुक का मीडिया अभियान भी बेहद प्रभावी है उसका अपना मीडिया साम्राज्य है।

तेलंगाना में हालात काफी बदल गए हैं। क्योंकि यहां कांग्रेस नव जीवन के पथ पर है भाजपा तथा बी.आर.एस. के कुछ नेता भी कांग्रेस में आ रहे हैं। कब विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के टिकटों की मांग बढ़ती जा रही है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा व प्रियंका गांधी की यात्रा के दौरान भारी भीड़ उमड़ी।

हाल ही भाजपा के एक दलित नेता चन्द्रशेखर कांग्रेस में शामिल हो गए उन्होंने भाजपा और बी.आर.एस. में सांठगांठ का आरोप लगाया। चन्द्रशेखर चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगुदेशम सरकार में मंत्री थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई भविष्य नहीं है क्योंकि लोग इसे और बी.आर.एस. को एक साथ मान रहे हैं।

आंध्र में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाय. शर्मीला का अपने पक्ष में कर लिया है। वाय. शर्मिला ने अपनी अलग पार्टी बनाई थी और कहा है कि वे तेलंगाना में अपनी पार्टी कांग्रेस में विलय कर देगी। तेलंगाना में कांग्रेस के बढ़ते कदमों को देखते हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को मुश्किल हो सकती है क्योंकि विधानसभा चुनाव नतीजों का असर लोकसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है।

कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज रणनीतिकार और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को तेलंगाना चुनावों की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई है, जहां वे कर्नाटक की रणनीति ही काम में लेंगे। मई 2023 में कर्नाटक में शानदार जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस लोकसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन करेगी जो भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है। गत चुनाव में भाजपा ने कर्नाटक की 26 सीटें जीती थी पर इस बार इस संख्या को कायम रख पाना मुश्किल होगा।

एक अन्य प्रमुख दक्षिण भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश में भाजपा का पृथक कोई अस्तित्व नहीं है यह तेलुगुदेशम, जन सेना, (पवन कल्याण) और भाजपा का संयुक्त मोर्चा अवश्य सत्तारूढ़ पार्टी वाय.एस.आर.सी.पी., जो काफी मजबूत है, को थोड़ी बहुत टक्कर दे सकता है फिलहाल जगन मोहन रेड्डी की लोकप्रियता इतनी है कि वे फिर से राज्य में जीत दर्ज कर सकते हैं, यहां तक कि 2019 में नतीजे दोहरा सकते हैं।

कोटा में एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परमजीत पटेल ने बताया कि मृतक छात्र वाल्मीकि प्रसाद (18 वर्ष) बिहार के गया जिले से आया था और बीते दो सालों से कोटा में रहकर इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था। महावीर नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर थर्ड में मनोज गौतम के मकान में किराए के रूम में रहता था। वाल्मीकि प्रसाद के संबंध में मंगलवार रात 8 बजे के आसपास सूचना मिली कि उसने सुसाइड कर लिया है। उसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

जहां पर छात्र अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला था। छात्र के पिता को इसकी सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

बता दें कि बीते आठ महीनों में 22वां कोचिंग छात्र ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी है। ये सभी 22 छात्र मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने कोटा आए थे। थानाधिकारी परमजीत पटेल का कहना है कि वाल्मीकि प्रसाद के पास के रूम में यूपी का एक छात्र रहता है।

देश के बड़े...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वाधीनता दिवस भाषण के रूप में उपयुक्त नहीं था। और विशेषकर जब प्रधानमंत्री स्वयं का उल्लेख ''थर्ड पर्सन'' (उत्तम पुरुष) में कर रहे हैं और देश की प्रगति को खुद की ही बता रहे हैं जैसे मोदी की गारंटी, मोदी लड़ रहा है आदि। यह भाषण अतिशयोक्ति टालमटोल और लफ्फाजी का था।

उत्तरी भारत के द ट्रिब्यून ने कहा, ''इस वर्ष का स्वाधीनता दिवस जी-20 सम्मेलन की तैयारियों के बीच आया है जिसकी मेजबानी देश पहली बार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मैदान में भारत के बढ़ते कद का दो प्रमुख संगठनों की अध्यक्षता से आंका जा रहा है- जी-20 और शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन। सरकार के अनुसार जी-20 की अध्यक्षता की थीम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य को व्यापक समर्थन मिला है। लेकिन क्या देश में एक अलिखित थीम चल रही है- एक भारत, एक परिवार, एक भविष्य? मणिपुर और हरियाणा में जल रही हिंसा एवं नफरत को देखते हुए, शायद नहीं।

प्रश्न उठता है कि क्या जो देश विश्व शक्ति और विकसित देश बनना चाहता है वह अपने घर में ऐसी विनाशक आग जलने दे सकता है। विश्व की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था माना जाने वाला देश विभाजनकारी और मतभेद वाला सफर जारी नहीं रख सकता। आर्थिक मोर्चे पर तरक्की के लिए शांति और सद्भाव आवश्यक हैं। देश की दो तिहाई जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। ये युवा आधुनिकता को अपनाने और पुराने विचारों को अपनी सामूहिक प्रगति के रास्ते में न आने देने के लिए कटिबद्ध है। भारत की चहुंमुखी प्रगति का आधार 21वीं सदी के युवाओं की शक्ति ही है।

आज आज़ादी का अमृत महोत्सव का औपचारिक समापन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में यह देश के जागरण, अच्छे प्रशासन का सपना सच होने तथा वैश्विक शांति और विकास का पर्व था। अखबार ने कहा कि लेकिन एक वाकई में जागृत और सुशोभित भारत वह होगा जिसमें हर त्योहार भाईचारे से मनाया जाय और बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक शांति और सद्भाव से रहें।

चंद्रयान चंद्रमा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(इसरो) ने जानकारी दी कि चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक चांद की कक्षा के एक और गोलाकार चरण को पूरा कर लिया है और अब वह चांद के और करीब वाली कक्षा में पहुंच गया है। चंद्रयान-3 अब चांद के चौथे ऑर्बिट में प्रवेश कर गया है। चंद्रयान अंतरिक्ष यान अब चंद्रमा की सतह से सिर्फ 163 किमी दूर है। इसरो ने कहा कि अब तैयारियों का समय आ गया है क्योंकि प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अपनी अलग-अलग यात्राओं के लिए तैयार हैं। आज चंद्रयान-3 एक और कक्षा लांघ कर चांद के और करीब पहुंच गया। वहीं 17 अगस्त का दिन मिशन के लिए अहम होगा क्योंकि इस दिन चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग किया जाएगा। इसरो ने ट्वीट किया, आज की सफल फायरिंग के बाद चंद्रयान-3 को 153 किमी गुणा 163 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908